Training & Placement Cell
Dr. A.P.J. ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

Date : 18th April, 2023

Personality Development tips for students who are going abroad for higher education

स्टडी अब्रॉड

IELTS : स्पीकिंग सेक्शन की मजबूत तैयारी है जरूरी

बड़ी संख्या में विदेशी यूनिवर्सिटीज प्रवेश देते वक्त आईईएलटीएस एग्जाम का स्कोर देखती हैं। हाल ही में आईईएलटीएस के नियमों में बदलाव हुआ है। अब टेस्ट के जिस सेक्शन में कम मार्क्स आए हों सिर्फ उसी हिस्से का एग्जाम दोबारा दिया जा सकता है। पहले स्टूडेंट्स को अपना स्कोर बेहतर करने के लिए पूरा टेस्ट दोबारा देना पड़ता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। द इंटरनेशनल इंग्लिश लैंग्वेज टेस्टिंग सिस्टम (आईईएलटीएस) टेस्ट में चार सेक्शंस आते हैं जिसमें आपके अंग्रेजी पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने की क्षमता का परीक्षण किया जाता है। इस एग्जाम को 140 देशों के 10 हजार संस्थान मान्यता देते हैं। लेकिन स्टूडेंट्स के लिए यह एग्जाम अक्सर चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वजह यह है कि इसका स्पीकिंग सेक्शन काफी मुश्किल होता है। इस सेक्शन में कमजोर परफॉर्मेंस से बैंड स्कोर 5 तक ही रह जाता है। ऐसे में स्पीकिंग सेक्शन की अच्छी तैयारी जरूरी है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट दें। इससे आपको अपनी कमजोरी और स्ट्रैंथ का पता चलेगा। इंग्लिश के पॉडकास्ट और इंटरव्यू नियमित रूप से सुनें। इससे ग्रामर और सामान्य ज्ञान बेहतर होगा। वोकैबलरी मजबूत करने के लिए रोज मुश्किल शब्दों को याद करें और उन्हें लिखें। बोलने की प्रैक्टिस करते वक्त इन कठिन शब्दों का इस्तेमाल करें। स्पीकिंग सेक्शन की मजबूत तैयारी से आपको बेहतर स्कोर में मदद मिल सकती है।

ANIL MISHRA
(Training & Placement Officer)